संगोष्ठी रिपोर्ट

“दिनकर दिन”

हिंदी विभाग, हंसराज कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय

- विषय -: दिनक का वैज्ञानिक विमर्श
- दिनांक -: 23-09-2024
- समय -: 12:30 PM
- स्थान -: साइंस ब्लॉक, मल्टीपरपज हॉल , द्वितीय तल
- सान्निध्य -: प्रो (डॉ) रमा
- मुख्य वक्ता -: श्री अनुपम प्रियदर्शी
- अध्यक्षता -: प्रोफेसर सुधांशु कुमार शुक्ला
- समन्वयक -: डॉक्टर रवि कुमार गौड़
- छात्र समन्वयक -: कृष्ण कुमार

साहित्य के वैज्ञानिक विमर्श के रूप में यह संगोष्ठी एक नवीन अनुसंधान सिद्ध हुई है। विचारों का दान करने आए **मुख्य वक्ता अनुपम प्रियदर्शी जी** का औपचारिक स्वागत हिंदी विभाग की प्रभारी डॉ नीतू शर्मा जी और कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर सुधांशु कुमार शुक्ला जी के द्वारा हंसराज कॉलेज के प्रतीक चिन्ह एवं अंग वस्त्र देकर किया गया, कार्यक्रम समन्वय डॉ रवि कुमार गौड़ जी द्वारा दिया गया स्वागत वक्तव्य उन परिस्थितियों और परिवेश का उल्लेख कर रहा था जिसमें यह संगोष्ठी संचालित हो रही थी। उसके आगे प्रियांशु प्रियंवद जी द्वारा काव्य पाठ किया गया तत्पश्चात मुख्य वक्तव्य प्रारंभ होता है जो लगभग 90 मिनट का था इसमें दिनकर जी के वैज्ञानिक पक्ष , मनोवैज्ञानिक पक्ष, सामाजिक पक्ष , उनकी राष्ट्रीयता , उत्कृष्ट संवाद की सृजनात्मकता, उनकी प्रासंगिकता आदि पर विचार विनिमय हुआ । मुख्य वक्तव्य का अंत दिनकर जी के आधुनिकता और परंपरिकता के मध्य के प्रश्न को लेकर हुआ।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में काव्य पाठ, जिसमें विभिन्न छात्रों ने दिनकर के साहित्य में विज्ञान के दर्शन और आधुनिक समाज पर उनके विचारों पर अपनी कविता प्रस्तुत किए। संगोष्ठी के दौरान प्रतिभागियों ने दिनकर की काव्यशैली में तर्क और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विस्तार से समझा।

कार्यक्रम का समापन **प्रो. डॉ नीतू शर्मा (प्रभारी, हिंदी विभाग, हंसराज कॉलेज)** के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने इस संगोष्ठी की सफलता पर सभी प्रतिभागियों और आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे आयोजनों से साहित्य और विज्ञान के मध्य सेतु बनने का अवसर मिलता है।

अंत में सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

संपर्क करें:

रवि कुमार गौड़ (सहायक प्राध्यापक)

हंसराज कॉलेज, हिंदी विभाग

नई दिल्ली, 110007

ईमेल -: ravigoan86@gmail.com

फोन -: 7807111737